

फर्द अहकाम  
(नियम 26)

मुकाम \_\_\_\_\_

बनाम \_\_\_\_\_

नं. \_\_\_\_\_

सन \_\_\_\_\_

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तामील  
में जारी हुए

न्यायाधीश पेश हुई। आज पेशावली अधिकार  
अपनी कार्यवाही में आगे बढ़ाने के लिए  
इसे पेशावली की कार्यवाही दिनांक 25/6/19  
में पेश हो। धन्य है।

25/6

पेशावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित।  
जिसके द्वारा बहस सुनी गई। पेशावली दिनांक  
4/9/19 में पेश हो।

न्यायाधीश पेश हुई। आज पेशावली अधिकार  
अपनी कार्यवाही में आगे बढ़ाने के लिए  
इसे पेशावली की कार्यवाही दिनांक 8-2-19  
में पेश हो। धन्य है।

8/2/19

21/9

पेशावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपस्थित।  
एकपक्षीय बहस सुनी गई। अपीलकर्ता  
प्रार्थी द्वारा प्रार्थना-पत्र में उल्लिखित तथ्यों  
को दोहराते हुए बताया कि बादग्रस्त  
भूमि प्रार्थी व अप्रार्थीगण की पैत्रिक  
जवाबदाारी की भूमि है। जिसके आधार  
पर दोषणा हेतु प्रादपत्र पेश किया  
है। दोहराने वाले बादग्रस्त आजी को  
खुर्द-बुर्द होने से बचाने के लिए  
अर-बाइ निषेधाज्ञा जारी किया जाना  
उचित है। आज ही बताया कि अप्रार्थीगण  
की ओर से प्रार्थना-पत्र का कोई  
अउठन नहीं है। तथा सुकथानिया  
जवाब प्रार्थना-पत्र पेश किया गया।  
अतः प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया

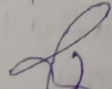


जाकर बादग्रस्त अराजी की मौके व  
रेकॉर्ड की व्यवस्थाति बनाए रखें।

पत्रावली का ध्यानपूर्वक अवलोकन  
किया गया। बादग्रस्त भूमि पूर्व में  
मयुरा की जवाबदारी भूमि थी। मयुरा  
के देहान्त के पश्चात् नामान्तरण करण अं.  
72 स्वीकार किया जाकर अप्राथीगण के  
नाम दर्ज की गई। जो अप्राथीगण बनाने  
करने हेतु आमदा है।

अतः अस्थाई निषेधाज्ञा का  
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना उचित  
प्रतीत होता है। तथा अस्थाई निषेधाज्ञा  
से अप्राथीगण को इस कदर बाबंद  
किया जाता है कि बादग्रस्त भूमि तह.  
औसिया के ग्राम प्रतापनगर के ख.न.  
१२५ रकबा (०५) की धा भूमि की तौफैसला  
दावा मौके व रेकॉर्ड की व्यवस्थाति  
बनाए रखें।

पत्रावली कैसल शुमार होकर  
नम्बर से काम की जाकर दायित दफ्तर  
है।

  
बहायक इलाक़ा, कोरिया